

असाधार्ग EXTRAORDINARY

MIN II—NUE 3—SU-NUE (II)
PART II—Section 3—Sub-Section (II)

प्रापिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 244] नई दिल्लो, सोमबार, अप्रैल 26, 1993/वैशाख 6. 1915

No. 244] NEW DELHI, MONDAY, APRIL 26, 1993/VAISAKHA 6, 1915

इ.स. भाग में भिम्ल पृष्ठ मंद्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वित्त मंत्रालय

(ग्राधिक कार्य विभाग)

(ई.सी.बी. और निवेश प्रभाग)

प्रधिसूचना

नई दिल्ली, 26 अप्रैल, 1993

का.मा. 268 (अ): — केन्द्रीय सरकार, राष्ट्रीय स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड, बम्बई द्वारा प्रतिभूति संविदा (विनियमन) ग्रिधिनियम, 1956 (1956 का 42वां) की भ्रारा 3 के अन्तर्गत मान्यता के लिए दिए गए ग्रावेदन-पन्न पर विचार करने और इस

बात से संतुष्ट होने के बाद कि ऐसा करना व्यापार के हित में तथा लोकहित में भी होगा, प्रितिभूति संविदा (विनियमन) ग्रिधिनियम की धारा 4 द्वारा प्रवत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए, एतद्बारा, उपर्युक्त एक्सचेंज को उक्त ग्रिधिनियम की धारा 4 के ग्रिधीन 26 ग्रिप्रैल, 1993 से ग्रारम्भ होने वाली और 25 ग्रिप्रैल, 1998 को समाप्त होने वाली पाच वर्ष की ग्रिविध के लिए प्रतिभूतियों में संविदाओं के संबंध में निम्नलिखित गर्नी तथा ऐसी ग्रन्थ करों के ग्रिधीन, ओ इसके बाद निर्धारित ग्रिथवा लागू की जाएं, मान्या। प्रदान करती है।

[एफ, संख्या 1/91/एस.ई./90] बाई, वेणुगोपाल रेड्डी, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF FINANCE (Department of Economic Affairs) (ECB and Investment Division)

NOTIFICATION

New Delhi, the 26th April, 1993

S.O. 268(E).—The Central Government having considered the application for recognition made under section 3 of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (42 of 1956) by the National Stock Exchange of India Limited, Bombay and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by section 4 of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956, recognition to the said Stock Exchange under section 4 of the said Act, for a period of five years commencing on the 26th April, 1993 and ending with the 25th April, 1998 in respect of contracts in securities subject to such conditions as are or may be prescribed or imposed hereafter.

[F. No. 1|91|SE|90] Y. VENUGOPAL REDDY, Jt. Secy.